हरिभूमि
रत्न भूमि
रायपुर, शनिवार 25 अप्रैल 2026

तापमान
अधिकतम 40.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

12 शादी व अन्य मांगलिक कार्यों में काम आने वाले बांस...

14 भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से बेहाल गौवंश...

खबर संक्षेप

सगाई में मारपीट

महासमुंद। ग्राम मोखापुटका सगाई कार्यक्रम में गए एक युवक के साथ तीन लोगों ने मारपीट कर दी। सरायपाली पुलिस को अर्जुन महानंद पिता अलेख राम महानंद (19 साल) आंवलाचक्का ने बताया कि 22 अप्रैल को वह संतोष चौहान की सगाई कार्यक्रम में ग्राम मोखापुटका के महेत्तर चौहान के यहां गांव के अन्य लोगों के साथ गया था। सगाई कार्यक्रम होने के बाद शाम लगभग 4:30 बजे वह महेत्तर चौहान के घर के सामने खड़ी एक मोटर सायकल में बैठा था, उसी समय ग्राम मोखापुटका का प्रेम चौहान आया और कहा कि मेरी गाड़ी में क्यों बैठा है, इस गाड़ी में बैठने की तुम्हारी औकात नहीं है कहकर गाली गलौज करते हुये हाथ मुक्का से मारपीट करने लगा उसी समय प्रेम चौहान के साथी सफेद एवं नित्या चौहान आए और तीनों ने मिलकर जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का से मारपीट किय। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

मंडी उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा कल होगी

महासमुंद। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन रविवार 26 अप्रैल 2026 को महासमुंद जिले में एक पाली में किया जाएगा। परीक्षा का समय प्रातः 10 बजे से 12:15 बजे तक निर्धारित है। जिसमें जिले के 19 निर्धारित परीक्षा केंद्रों में कुल 4917 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

जल जीवन मिशन में लापरवाही पर जनप्रतिनिधि सख्त, पीएचई एसडीओ को हटाने का प्रस्ताव पारित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

शुक्रवार को जनपद कार्यालय में आयोजित एक विशेष बैठक में जनहित से जुड़ा एक महत्वपूर्ण और कड़ा निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए राजिम पीएचई के एसडीओ नवीन साहू को तत्काल हटाने की अनुशंसा शासन से करने का निर्णय लिया। बैठक से लौटकर जनपद अध्यक्ष इंद्राणी-नेहरू साहू ने राजिम रेस्ट हाऊस में हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया कि जल जीवन मिशन के कार्यों में गुणवत्ता की कमी एवं पानी की समस्या तथा बोर खनन पर लापरवाहीपूर्वक जवाब देने के कारण एसडीओ एचडी नवीन साहू को सर्वसम्मति से जनपद सदस्यों के द्वारा यहां से हटाए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। महिला जनपद अध्यक्ष इंद्राणी साहू ने बताया कि यह कार्रवाई जल जीवन मिशन के कार्यों में कथित लापरवाही और उदासीनता को लेकर बढ़ते असंतोष के बीच की गई। बैठक में जनपद क्षेत्र के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान कई स्थानों पर कार्यों की धीमी गति, तकनीकी खामियों और समय पर समस्याओं के समाधान न होने को लेकर गंभीर नाराजगी व्यक्त की गई। सदस्यों का कहना था कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा को लेकर आम जनता परेशान है, लेकिन जिम्मेदार इस अधिकारी द्वारा इस दिशा में ▶▶|शेष पेज 13 पर

गुणवत्ता और कार्य की धीमी गति पर नाराजगी

विकास कार्यों में उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी

बैठक में केवल पीएचई विभाग ही नहीं, बल्कि ब्लॉक स्तर पर कार्यरत सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी कड़ा संदेश दिया गया। सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनप्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि अब जवाबदेही तय होगी और काम के प्रति लापरवाह रवैया अपनाने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस निर्णय को जनपद क्षेत्र में प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा में एक सख्त कदम माना जा रहा है। बैठक के इस फैसले से स्पष्ट संकेत गया है कि जनप्रतिनिधि अब विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर गंभीर हैं तथा किसी भी प्रकार की ढिलाई पर कठोर रुख अपनाने को तैयार हैं।

5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षा के नाम पर वसूली का मामला गरमाया, डीईओ भी जांच के दायरे में

डीईओ के व्हाट्सएप मैसेज से मचा हड़कंप, एसडीएम कर रहे जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

कक्षा 5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षा के नाम पर कथित अवैध वसूली का मामला अब तूल पकड़ चुका है। शुरुआती तौर पर यह मामला संकुल समन्वयक और विकासखंड शिक्षा अधिकारी तक सीमित माना जा रहा था, लेकिन अब जांच की दिशा सीधे जिला शिक्षा अधिकारी तक पहुंच गई है। प्रारंभिक जांच से शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली संदेहों के घेरे में आ गया है। शिक्षा विभाग जैसे जगह में अवैध उगाही के खेल खुलेआम आम हो रहा है। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए राजिम के एसडीएम विशाल महाराणा को जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। एसडीएम ने फिंगेश्वर स्थित बीईओ कार्यालय पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। इस दौरान डीईओ जगजीत धीर द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप और निजी नंबर से भेजे गए संदेशों के स्क्रीनशॉट सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है।

एसडीएम ने शुरू की पूछताछ- एसडीएम द्वारा अब तक संबंधित बीईओ, संकुल समन्वयक और डीईओ से पूछताछ की जा चुकी है। हालांकि कुछ संकुल समन्वयकों से पूछताछ अभी बाकी है। जांच पूरी होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी जाएगी।

150 से 300 रुपए तक वसूली का आरोप- मामले की शुरुआत तब हुई जब स्कूलों में परीक्षा परिणाम और फर्द दस्तावेज तैयार करने के नाम ▶▶|शेष पेज 13 पर

खबर का असर

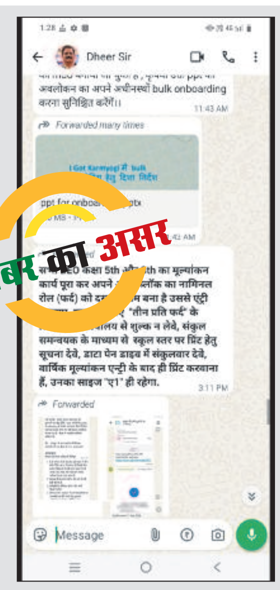

व्हाट्सएप मैसेज बने जांच का आधार

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि डीईओ के मोबाइल नंबर से आधिकारिक और निजी व्हाट्सएप ग्रुप में बीईओ और संकुल समन्वयकों को स्कूलों से "स्थानीय स्तर पर राशि व्यवस्था" करने के निर्देश दिए गए थे। जांच टीम को मिले स्क्रीनशॉट्स ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है।

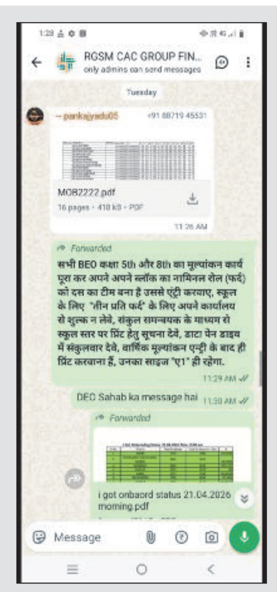

गुलमोहर की लाल छटा ने बिखेरी खूबसूरती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

भीषण गर्मी में लोगों को गुलमोहर फूल की सूर्ख लाल चटक सुन्दरता सुकुन प्रदान कर रहा है। गुलमोहर एक अत्यंत सुंदर और आकर्षक वृक्ष है, जिसे इसकी तेज़ लाल-नारंगी फूलों के कारण फ्लेम ट्री या अग्निवृक्ष भी कहा जाता है। गर्मियों में जब अधिकांश पेड़ पत्ते खो देते हैं, गुलमोहर अपनी पूरी शोभा में खिलता है। इसके फूल इतने घने और चमकदार होते हैं कि पूरा पेड़ आग की तरह दहकता हुआ प्रतीत होता है। गुलमोहर की खासियत केवल इसके फूलों तक ही सीमित नहीं है, इसकी छाया भी घनी और सुखद होती है, जो गर्मी के दिनों में शीतलता प्रदान करती है। इसका फैलावदार रूप, हरे पत्ते और रंग-बिरंगे फूल मिलकर इसे अत्यंत दर्शनीय बनाते हैं। यह वृक्ष न केवल मन को सुकून देता है, बल्कि वातावरण की शोभा भी बढ़ाता है।

शादी व अन्य मांगलिक कार्यों में काम आने वाले बांस बर्तन की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

वनांचल आदिवासी क्षेत्र में आज भी बांस से बने सामग्रियो का ही ज्यादा उपयोग करते है, बाजार मैनपुर में बांस से निर्माण किये गये बर्तन आसानी से उपलब्ध हो जाते है, खासकर अनेक धार्मिक अवसरों, शादी विवाह में बांस के बर्तन का वि"ाश उपयोग किया जाता है, बांस वृक्ष को काटकर बनाये गये बर्तनो की मांग आज भी क्षेत्र में देखी जाती है, खासकर शादी विवाह के अवसर पर बांस के बर्तन पर्रा, झाल, चटाई की मांग काफी बढ़ जाती है,इन दिनों शादी विवाह के कारण बांस बर्तनों की मांग बढ गई है मैनपुर आदिवासी विकासखण्ड क्षेत्र के बिहड़ जंगलो में आदिवासी कमार जनजाति के लोग निवास करते है और कमार जनजाति के लोग बांस के बर्तन बनाते है जिसे मैनपुर सप्ताहिक बाजार मे लाकर बेचा जाता है, यह बांस बर्तन उनका परंपारिक पुस्तैनी व्यवसाय है और इस बांस बर्तन से होने वाली आमदनी से जीविका उपार्जन करते है, बांस के सामानो की मांग आज बाजार में काफी देखी जाती है बांस से कई तरह के सामान बनते है जैसे टोकरी, पर्रा, चटाई, झाड़ू, पंखा, दीवार में टांगने का सजावटी सामान, संदूक, छाते के हैण्डल व तरह-तरह के खिलौने बनाये जाते है, वर्तमान में इसी तरह के प्लास्टिक के सामान भी बाजार में उपलब्ध है ।

लोग बांस के सामान पर होते हैं अधिक आकर्षित

लोग बांस के सामान पर अधिक आकर्षित होते है और शादी विवाह के साथ त्यौहारो में विभिन्न रस्मो मे बांस के सामान का उपयोग होता है, मैनपुर वंनाचल क्षेत्र में वि"ाश पिछडी कमार जनजाति के लोग निवास करते है, और कमार जनजाति के लोगो का पुस्तैनी व्यवसाय बांस के बर्तन बनाना है, तथा यहा उनके अजीविका का प्रमुख साधन है, बांस से बने सुपा, टोकरी, परर आदि बनाकर हाट् बाजारो में विक्रय करते है जिससे उन्हे अच्छी खासी आय होती है, पूर्व में जंगल में आसानी से बांस मिलता था, लेकिन अब बांस के लिए काफी परेशानियां का सामना करना पड रहा है।

समस्या : महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का हो रहा आधार अपडेट

ई-केवाईसी व त्रुटि सुधार के लिए महिलाओं की मशक्कत, सर्वर की समस्या ने बढ़ाई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में महतारी वंदन योजना के ई-केवाईसी, त्रुटि सुधार और आधार अपडेट के लिए इन दिनों भीषण गर्मी में महिलाओं को भारी परेशान होते देखा जा रहा है। सुबह से शाम हो जा रही है क्योकि अधिकांश नेटवर्क की समस्या या फिर सर्वर डाउन के चलते परेशानी बढ़ती जा रही है। महतारी वंदन योजना के तहत ई-केवाईसी करवाने और त्रुटि सुधार के लिए हितग्राहियों को काफी मशक्कत करना पड़ रहा है। योजना के पंजीयन में नाम गलत होने पर सुधार के लिए हितग्राही कभी जनपद कार्यालय तो कभी परियोजना कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं। बार-बार सर्वर बाधा के चलते न तो त्रुटि सुधार हो पा रहा है और न ही ई-केवाईसी हो पा रहा हैं। हितग्राही भी असमंजस में है कि आखिर उनके पंजीयन में गलत नाम का सुधार कैसे होगा आवेदन देने के एक सप्ताह बीतने के बावजूद त्रुटि सुधार नहीं हो पाने के चलते कई हितग्राही इस बात को भी लेकर आशंकित है कि कहीं अगले महीने से उनकी राशि रोक तो नहीं दी जाएगी हालांकि अधिकारियों का दावा है कि ई केवाईसी का कार्य लगभग तीन माह चलेगा। इसी बीच त्रुटि सुधार भी हो रहा है। ई– केवाईसी में विलंब होने पर भी किसी भी हितग्राही की राशि नहीं रोकी जाएगी। जनपद पंचायत कार्यालय के साथ ही परियोजना कार्यालय में भी हितग्राहियों की भीड़ लगी हुई थी कई हितग्राही ऐसे थे जो जिला कार्यालय से होते हुए जनपद कार्यालय में पहुंचे थे बताया जा रहा है कि महतारी वंदन योजना के पोर्टल का सर्वर डाउन होने के कारण त्रुटि सुधार के लंबित आवेदनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

■ सर्वर बाधा के चलते काम-काज हो रहा ठप

किसी का ऊंगली तो किसी का रेटिना नहीं हो रहा मैच

डाटा मिसमैच के अलावा कई बुजुर्ग महिलाएं जिनका अंगूठा घिस गया है जिनका मोतियाबिंद का ऑपरेशन नहीं हुआ है उनका आंख का स्कैन नहीं हो पा रहा है ऐसे में हितग्राहियों के लिए यह योजना गले की फांस बनकर रह गई है ऐसे हितग्राही ई–केवाईसी कराने से पहले आधार कार्ड अपडेट कराने में लगी हुई है जानकारी के अनुसार हर गांव में इस तरह की समस्या आ रही है। कुल्हाड़ीघाट व अन्य क्षेत्रे से च्वाईस सेंटर पहुंचे ग्रामीणो ने बताया त्रुटि सुधार और आधार अपडेट कराने आये है बहुत परेशानी हो रही है।

च्वाइस सेंटरों में उमड़ रही है भीड़

च्वाइस सेंटरों में भी उमड़ रही भीड़ महतारी वंदन योजना के लाभ के लिए ई–केवाईसी करवाने हितग्राहियों की भीड़ बीएलई च्वाइस सेंटरों में उमड़ रही है एकाएक भीड़ बढ़ने के चलते ई–केवाईसी के लिए भी पोर्टल में बार बार सर्वर बाधा होने के चलते काम काज प्रभावित हो रहा है काफी मशक्कत के बाद जब बारी आ रही है तब हितग्राहियों को पता चल रहा है कि योजना के तहत हुए पंजीयन और आधार कार्ड में दर्ज नाम अलग- अलग है जो नाम आधार कार्ड में दर्ज किया गया है वहीं नाम योजना के पंजीयन में नहीं है किसी का सरनेम तो नाम की स्पेलिंग के साथ पति का नाम भी गलत है ऐसी स्थिति में हितग्राहियों को काफी मशक्कत करना पड़ रहा है।

बोकरामुड़ा पहुंचे कलेक्टर ने बिसुराम सोरी के घर जाकर तालपत्र पांडुलिपि का किया अवलोकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

जिले की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने के लिए ज्ञान भारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान का कार्य जिले के 324 ग्राम पंचायतों एवं 6 नगरीय निकायों में भी किया जा रहा है। गरियाबंद कलेक्टर श्री बीएस उइके ने जिले के नागरिकों से इस पहल में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा है कि 70 वर्ष या उससे अधिक पुरानी हस्तलिखित पांडुलिपियों की जानकारी प्रशासन को अवश्य दें कलेक्टर ने बताया कि सर्वेक्षण कार्य के लिए प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारी की गई है और इसे व्यवस्थित रूप से सर्वे कराया जा रहा है। इसी तारतम्य में कलेक्टर भगवान सिंह उइके ने आज ग्राम पंचायत दांतबायकला के ग्राम बोकरामुड़ा में बिसुराम सोरी के घर उड़िया भाषा में लिखे गए दुर्लभ तालपत्रें का निरीक्षण किया, जो उनके परदादा द्वारा लगभग एक सदी पूर्व रखे गए थे। बिसुराम सोरी ने बताया कि इन तालपत्रों में ज्योतिष शास्त्र से जुड़ी महत्वपूर्ण गणनाओं, शुभ कार्यों के निर्धारण और उस समय प्रचलित परंपराओं का विस्तृत उल्लेख है। उन्होंने बताया कि पुराने समय में विवाह, गृह प्रवेश, भूमि पूजन जैसे सभी शुभ कार्यों का मुहूर्त इन्हीं तालपत्रों में दर्ज गणनाओं के आधार पर तय किया जाता था। कलेक्टर ने कहा कि सर्वेक्षण प्रक्रिया पूरी तरह स्वैच्छिक है और इसमें भाग लेने से पांडुलिपियों के स्वामित्व पर कोई असर नहीं पड़ेगा उन्होंने मठ, मंदिर, पुजारी, बैगा, चिकित्सक, साहित्यकार, पत्रकार, जन प्रतिनिधियों सहित आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि इस अभियान में सहयोग करते हुए हस्तलिखित पांडुलिपि के बारे में अवश्य जानकारी दें। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा भेड़िया, जनपद पंचायत सीईओ श्री केएस नागेश सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चैंबर ने मुख्य आयकर आयुक्त को सौंपे महत्वपूर्ण सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश थौरानी के मार्गदर्शन में गुरुवार को चैंबर प्रतिनिधिमंडल, केंद्रीय राजस्व भवन, सिविल लाइंस स्थित मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में शामिल हुआ।

इस अवसर पर चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष राधा किशन सुन्दरानी लोकसभा सांसद रूप कुमारी चौधरी के उपस्थिति में के. देवरत्न कुमार मुख्य आयकर आयुक्त एवं ऋतुपर्ण नामदेव अतिरिक्त आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर प्रदेश के व्यापारिक संगठनों की ओर से आयकर प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाने अहम सुझाव दिए। राधाकिशन सुन्दरानी ने बैठक में इस बात पर जोर दिया कि विभाग और करदाताओं के बीच प्रवर्तन से अधिक सुविधा की नीति अपनाई जानी चाहिए। व्यापारिक संगठनों के बीच नियमित संवाद के लिए एक तंत्र विकसित किया जाए और आरडीटीएसीकी बैठकों को त्रैमासिक आधार पर आयोजित किया जाए। इसी तरह नोटिस की जटिलता को कम करने और छोटे व मध्यम करदाताओं के लिए 'सिम्प्लीफाइड कम्प्लायंस फ्रेमवर्क' लागू करने की मांग की गई। चैंबर के प्रतिनिधि मंडल ने केवल रिस्क-आधारित स्क्रूटनी को ही प्राथमिकता देने का सुझाव दिया।

अपने ही आदेश पर 24 घंटे के भीतर यू-टर्न ले लिया

सरकारी कर्मचारी भी राजनीतिक गतिविधियों में हो सकते हैं शामिल, रोक का आदेश वापस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। छत्तीसगढ़ शासन ने सरकारी कर्मचारियों पर राजनीतिक और अन्य संगठनों में शामिल होने की रोक संबंधी आदेश को अब वापस ले लिया है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 21 अप्रैल को जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सरकारी कर्मचारी किसी भी राजनीतिक दल या संगठन की गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकेंगे। साथ ही अधिकारी की बिना अनुमति के किसी भी संस्था, समिति या संगठन में पद धारण करने पर भी रोक लगाई गई थी। आदेश के अनुसार, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियमों के तहत सभी शासकीय सेवकों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्पक्षता, ईमानदारी और निष्ठा के साथ करना अनिवार्य है। इसी के तहत उन्हें किसी भी राजनीतिक दल या संगठन का सक्रिय सदस्य बनने से प्रतिबंधित किया गया है।

सिर्फ 24 घंटे में रद्द हुआ आदेश

छत्तीसगढ़ शासन ने शासकीय कर्मचारियों के राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने को लेकर जारी अपने ही आदेश पर 24 घंटे के भीतर यू-टर्न ले लिया और आदेश को वापस ले लिया। नए आदेश में स्पष्ट किया गया कि 21 अप्रैल वाला निर्देश आगामी आदेश तक स्थगित रहेगा। उप सचिव अंशिका पांडेय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि 21 अप्रैल के आदेश के निर्देश फिलहाल प्रभावी नहीं रहेंगे, जिससे अब इन नियमों पर कार्रवाई पर भी अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

फेडरेशन के विरोध के कारण वापस लेना पड़ा

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने बताया, कल इस आदेश का विरोध सचिव सामान्य प्रशासन विभाग एवं उप सचिव अंशिका पांडेय से व्हाट्सएप के माध्यम से किया था। भविष्य में इस आदेश का विरोध हर स्तर पर करने का लेख किया था। फेडरेशन के विरोध के चलते राज्य शासन को उक्त आदेश को वापस लेना पड़ा।

जीएडी के जिम्मेदार अधिकारी हटाए जाएं- नामदेव

राष्ट्रवादी संगठन भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने इस पूरे घटनाक्रम पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा, जब सिविल सेवा (आचरण) नियम पहले से स्पष्ट और प्रभावी हैं, तब नया आदेश जारी करने की आवश्यकता ही क्या थी। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि आदेश इतना ही त्रुटिपूर्ण था कि 24 घंटे के भीतर उसे निरस्त करना पड़ा, तो आखिर ऐसा आदेश जारी ही क्यों किया गया? यह पूरा मामला अब कई सवालों के घेरे में है।

आरएसएस के दबाव में आदेश पर रोक लगाई गई: कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, सरकार का बेहद आश्चर्यचकित करने वाला आदेश आया है, पहले सरकार ने 21 अप्रैल को आदेश निकाला था कि शासकीय कर्मचारियों को किसी भी राजनैतिक दल एवं सामाजिक संगठन में भाग लेने पर प्रतिबंध है। उसके बाद 22 अप्रैल को आदेश आया कि 21 अप्रैल का आदेश था, उसमें आगामी आदेश तक रोक लगायी जाती है। नये आदेश के बाद आज की तारीख में छत्तीसगढ़ में कोई भी कर्मचारी राजनैतिक दल का सदस्य बन सकता है, सामाजिक संगठन का सदस्य बन सकता है। आदेश से पता चलता है कि या तो सरकार अफीम खाकर चल रही या फिर अनाड़ी लोगों के दबाव में चल रही है। प्रदेश कांग्रेस ने कहा, सरकार ने 21 अप्रैल के आदेश को क्यों निकाला था, जबकि यह तो स्थापित नियम है शासकीय कर्मचारी अपनी सर्विस रूल के अनुसार किसी भी राजनीतिक एवं गैर राजनीतिक संगठन के कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो सकता।

बच्चों की उपस्थिति का समय सुबह 7:00 बजे से 9:00 बजे तक

भीषण गर्मी और लू को देखते हुए बदला आंगनबाड़ी केंद्रों का समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

पूरे प्रदेश में इन दोनों भीषण गर्मी और लू से जहां एक और जनजीवन प्रभावित हो गया है। वहीं दूसरी ओर आंगनवाड़ी में पढ़ाई करने वाले छोटे-छोटे नौनिहाल आंगनबाड़ी केंद्रों में पंखा कलर एवं अन्य मूल्य सुविधाओं के अभाव में गर्मी में बेहाल हो रहे हैं और तो और गरियाबंद जिले के वनांचल क्षेत्र में 3 वर्ष से 6 वर्ष तक के अधिकांश बच्चों के पास जूता चप्पल नहीं होने के कारण तेज गर्मी में नंगे पैर आंगनबाड़ी पहुंच रहे हैं इस खबर को हमारे हरिभूमि अखबार ने प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया है इसके बाद आंगनबाड़ी केदो के टाइम टेबल में परिवर्तन भी किया गया है गर्मी और लू से बचने के लिए आब आंगनबाड़ी केंद्रों के समय में परिवर्तन होने से इसका लाभ दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को मिलेगा। छत्तीसगढ़ में पड़ रही भीषण गर्मी और लगातार बढ़ रही लू को देखते हुए राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों के समय में बड़ा बदलाव किया है। बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग ने ग्रीष्मकाल के लिए नया टाइम टेबल लागू कर दिया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देश पर आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन समय को 6 घंटे से घटाकर 4 घंटे कर दिया गया है। यह नया समय 01 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा।

खबर का असर

सैकड़ों आंगनबाड़ी केंद्रों में कहीं बिजली नहीं तो कहीं पंखे गायब, पसीने से तर बतर हो रहे बच्चे

41 डिग्री तपिश में उबल रहे मासूम, बिना पंखे-पानी और चप्पल के आंगनबाड़ी आने को मजबूर बच्चे

अब क्या रहेगा नया समय

नए आदेश के अनुसार, आंगनबाड़ी केंद्र अब प्रतिदिन सुबह 7:00 बजे से 11:00 बजे तक संचालित होंगे। वहीं, 23 अप्रैल से 30 जून 2026 तक बच्चों की उपस्थिति का समय घटाकर सुबह 7:00 बजे से 9:00 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि बच्चे लू और तेज गर्मी के प्रभाव से सुरक्षित रह सकें। सरकार ने स्पष्ट किया है कि समय में बदलाव के बावजूद बच्चों की शिक्षा और पोषण सेवाओं में कोई कमी नहीं आएगी। इस दौरान बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख एवं शिक्षा गतिविधियां और पूरक पोषण आहार नियमित रूप से उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यकर्ताओं को दिए गए निर्देश- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं सुबह 11 बजे तक केंद्र में अपने नियमित कार्य करेंगी। इसके बाद वे घर-घर जाकर माताओं को पोषण और स्वास्थ्य संबंधी सलाह देंगी। विभाग ने निर्देश दिया है कि बच्चों को सुरक्षित घर पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। किसी भी तरह की लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। जिला स्तर पर होगी निगरानी सभी जिला अधिकारियों को इस व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला स्तरीय बैठकों में इसकी नियमित समीक्षा भी की जाएगी। ग्रीष्मकाल समाप्त होने के बाद 01 जुलाई 2026 से आंगनबाड़ी केंद्र फिर से अपने सामान्य समय सुबह 9:30 बजे से 3:30 बजे तक संचालित होंगे। महिला बाल विकास विभाग के गरियाबंद जिला अधिकारी अशोक पांडे ने बताया की भीषण गर्मी और लू को देखते हुए समय में परिवर्तन किया गया है साथ ही निर्देशित किया गया है कि बच्चों को भोजन के बाद जल्द ही छोड़ दिया जाए।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर होंगे राज्य स्तरीय कार्यक्रम

रायपुर। विश्व रेडक्रॉस दिवस 8 मई के अवसर पर छत्तीसगढ़ में राज्य स्तरीय विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में रेडक्रॉस राज्य शाखा रायपुर के चेयरमैन तोमन साहू की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस भवन में बैठक रखी गई, जिसमें विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर सूची जारी की गई। निर्धारित कार्यक्रमों के तहत समूह नृत्य, प्रहसन एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें प्रदेशभर के रेडक्रॉस वालिंटियर्स भाग लेंगे। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। बैठक में रेडक्रॉस गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हेतु जन-जागरूकता अभियान, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) प्रशिक्षण का विस्तार तथा विशेष अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है। साथ ही रक्तदान शिविरों को वृहद स्तर पर आयोजित कर जरूरतमंदों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। जूनियर रेडक्रॉस एवं यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से विद्यार्थियों को मानवीय सेवा से जोड़ने और उनमें सेवा भाव विकसित करने पर भी बल दिया गया।

खबर संक्षेप

राज्यपाल के निर्देश पर विशेष जांच शिविर

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम धनेशपुर में दिव्यांग बच्चों की अधिक संख्या को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त रूप से विशेष जांच शिविर करने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने कहा है कि दोनों विभाग आपसी समन्वय से ग्राम धनेशपुर में विशेष शिविर आयोजित करें, जहां दिव्यांग बच्चों की स्वास्थ्य जांच, आवश्यक परीक्षण तथा उनकी स्थिति का आकलन किया जाए। साथ ही दिव्यांगता के संभावित कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत सर्वे एवं चिकित्सकीय अध्ययन भी कराया जाए। निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम गांव पहुंचकर घर-घर सर्वे करेगी तथा पात्र बच्चों और नागरिकों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं दिव्यांग कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित करेगी। शिविर के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को सहायक उपकरणों का वितरण भी किया जाएगा, ताकि उन्हें दैनिक जीवन, शिक्षा और आवागमन में सुविधा मिल सके। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा है कि प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा बच्चों के बेहतर उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए।

सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं : जकांछ

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी के प्रकरण में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय को ऐतिहासिक बताया है। पार्टीजनों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट द्वारा अमित जोगी के विरुद्ध दिए निर्णय पर रोक (स्टे) लगा दी है। यह निर्णय न केवल न्यायपालिका में विश्वास को और मजबूत करता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि सत्य को अस्थायी रूप से परेशान किया जा सकता है, परंतु उसे पराजित नहीं किया जा सकता। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ ने इस न्यायपूर्ण निर्णय के लिए सुप्रीम कोर्ट का आभार जताया है। पार्टी का मानना है कि यह सत्य और न्याय की विजय है।

रसायन विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए कैंपस प्लेसमेंट

रायपुर। शासकीय जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ कॉलेज में 23 अप्रैल को रसायन विज्ञान (केमिस्ट्री) के विद्यार्थियों के लिए कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन अलीशान ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा "क्वालिटी इंजीनियर" पद के लिए किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रसायन विभागाध्यक्ष डॉ. गोवर्धन व्यास के प्रेरणादायक उद्बोधन से हुई। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इंटरव्यू केवल चयन की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, तैयारी और व्यक्तित्व की वास्तविक परीक्षा है। कंपनी के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को कंपनी की कार्यप्रणाली, अवसरों और जॉब प्रोफाइल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इंटरव्यू पैनल में एजीएम ज्ञानेंद्र मोहन खरे, अनुसंधान एवं विकास विभाग से डॉ. नागेंद्र बाकू तथा प्लांट एचआर मैनेजरतरुण वर्मा उपस्थित रहे।

सांसद बृजमोहन से नागरिकों ने की मुलाकात

रायपुर। रायपुर में लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल से गुरुवार को 1बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएं और मांगें उनके सामने रखीं। सांसद ने सभी नागरिकों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित मामलों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। अपने निवास पर हुई इस जनसुनवाई में बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि जनता ने उन्हें हमेशा प्यार और विश्वास दिया है, ऐसे में उनके सुख-दुख में साथ खड़े रहना उनका कर्तव्य भी है और सौभाग्य भी।

खबर संक्षेप

शिक्षा रत्न से सम्मानित होंगे प्रदेश के 160 शिक्षक

मैनपुर। नवाचारी गतिविधियां समूह भारत जो देश के सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों से जुड़ा एक मात्र एवं सबसे बड़ा स्वप्रेरित नवाचारी शिक्षक समूह है, इसके छत्तीसगढ़ टीम द्वारा राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह शैक्षिक संप्रवाह 2025-26 का आयोजन 25 अप्रैल को स्वामी आत्मानंद प्रो. जेएन पांडेय शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुर में आयोजित किया जा रहा है। जिसमे पूरे छत्तीसगढ़ राज्य से 160 शिक्षकों का सम्मान होना है। जिसमें गरियाबंद जिले से 7 शिक्षक पदमजा गुप्ता गरियाबंद, नीता यादव फिंगेश्वर, सोनाली मडामें मैनपुर मोहम्मद अनवर खान व संतोष कुमार तांडी छुरा, सुशील कुमार अवस्थी देवभोग, शामिल है। साथ ही समूह मे सतत रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए यशवंत बघेल देवभोग को विशेष रूप से सम्मानित किया जायेगा।

कार में मिली अंग्रेजी शराब और बीयर, दो लोगों पर कार्रवाई

महासमुंद। कार में शराब के अवैध परिवहन के मामले में बलौदा थाने में दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली थी कि ग्राम भुरसापाली रोड से एक सफेद रंग की कार में दो व्यक्ति अवैध रूप से शराब लेकर जाने वाले हैं। जहां कुछ देर बाद एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार क्र सीजी 06 एचएफ 5420 में दो व्यक्ति आए। जिन्होंने अपने नाम भोलाराम पटेल पिता लक्ष्मण पटेल (32 वर्ष) मेडरा थाना बरमकेला जिला सारंगढ-बिलाईगढ़ और सुरेंद्र चौधरी पिता घनश्याम चौधरी (38 वर्ष) खैरमाल थाना सरायपाली होना।

पेज 11 के शेष...

जल जीवन मिशन में...

अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाएं। अध्यक्ष इंद्राणी साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए यह प्रस्ताव पारित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतता है या कार्यों में अनियमितता करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए शासन को अनुशंसा की जाएगी।

प्रशासनिक गलियारों में हलचल- स्थानीय स्तर पर इस प्रस्ताव के बाद प्रशासनिक हल्कों में भी हलचल तेज हो गई है। अब निगाहें शासन के अगले कदम पर टिकी हैं कि इस अनुशंसा पर क्या कार्रवाई की जाती है और क्षेत्र में जल जीवन मिशन सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन में क्या सुधार देखने को मिलता है। बैठक में विशेष रूप से जनपद सीईओ ,जनपद अध्यक्ष इंद्राणी-नेहरू साहू, उपाध्यक्ष सतीश यादव, सभापति नंदू यादव, दिलीप साहू, मंजू साहू, राधेश्याम साहू, नीतू साहू जनपद सदस्य, हीरामणी साहू, आशीष पांडे, सीमा शर्मा, रामेश्वरी कुर्रे, नीता साहू, गोदावरी साहू, रुक्मणी सिंह, उमा साहू मौजूद रहे।

5वीं और 8वीं...

पर 150 से 300 रुपए तक वसूली की खबर सामने आई। खबर प्रकाशित होते ही शिक्षक वर्ग में आक्रोश फैल गया और निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी। इस संबंध में एसडीएम विशाल महाराणा ने पुष्टि की है कि जांच जारी है। उन्होंने बताया कि डीईओ द्वारा व्हाट्सएप के माध्यम से स्थानीय स्तर पर राशि व्यवस्था के निर्देश दिए जाने से जुड़े संदेश सामने आए हैं। कुछ शिक्षकों से पूछताछ अभी बाकी है, तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि यह वसूली स्थानीय स्तर की पहल थी या फिर उच्च अधिकारियों के निर्देश पर संगठित तरीके से की जा रही थी। इसका जवाब जांच रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा।

समस्या : प्रमुख मार्गों को जगह-जगह खोदा, पर अब तक पाइप लाइन तक नहीं डाली

पाइपलाइन के लिए खोदी सड़कें, मरम्मत न होने से राहगीरों की बढ़ रही मुश्किलें

टूटी सड़कों की मरम्मत कराई जाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

नगर में जल आवर्धन योजना के तहत पेयजल आपूर्ति के लिए नल पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है, लेकिन इस कार्य की धीमी गति और लापरवाही अब आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। पिछले लगभग 30 दिनों से नगर के कई प्रमुख मार्गों को जगह-जगह काट दिया गया है, परंतु अनेक स्थानों पर अब तक नल पाइपलाइन तक नहीं डाली गई है। वहीं जिन स्थानों पर नलपाइपलाइन डाली भी गई है, वहां सड़कों की मरम्मत नहीं होने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

नगर के बजरंग चौक से बस स्टैंड मार्ग तथा बजरंग चौक से शिव चौक मार्ग के बीच लगभग 12 से 15 स्थानों पर सड़क को काटा गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार इनमें से केवल कुछ हिस्सों में ही नल पाइपलाइन डाली गई है, जबकि बाकी वैसे ही खुले पड़े हुए हैं। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि जहां पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, वहां भी सड़क की मरम्मत नहीं की गई, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया है। आए दिन

विभाग की अनुमति के बिना ही खुदाई

इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर केपी सकारिया ने बताया कि सड़क काटने के लिए नियमानुसार विभाग से अनुमति लेना आवश्यक होता है, लेकिन संबंधित ठेकेदार द्वारा अनुमति नहीं ली गई। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के आधार पर पाइपलाइन बिछाने के लिए खुदाई की गई होगी, पर पाइप डालने के बाद तुरंत सड़क की मरम्मत किया जाना चाहिए था। लगातार शिकायतें मिल रही हैं और ठेकेदार से चर्चा कर मुख्य मार्गों की मरम्मत सोमवार कराने कीबात कही गई है। वहीं कार्य कर रहे ठेकेदार देवांगन ने बताया कि नगर पंचायत के सभी नल कनेक्शनों में लगभग 15 दिनों के भीतर पाइप डालने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। सड़क मरम्मत में देरी के संबंध में उन्होंने कहा कि पाइपलाइन की टेस्टिंग के बाद ही स्थायी मरम्मत की जाएगी, क्योंकि यदि परीक्षण के दौरान कहीं लीकेज मिलता है तो दोबारा सड़क खोदनी पड़ सकती है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि पाइपलाइन की टेस्टिंग कब होगी और मरम्मत कार्य कब शुरू किया जाएगा।

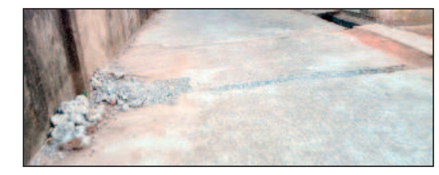

वाहन चालक असंतुलित होकर गिर रहे हैं और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इसी प्रकार शिव चौक से मस्जिद मार्ग, गायत्री मंदिर रोड, राजापारा क्षेत्र सहित नगर के अन्य मोहल्लों में भी 10 से 15 जगहों पर खुदाई की गई है। नगर पंचायत द्वारा कुछ समय पहले ही करोड़ों रुपए की लागत से गलियों और मुख्य मार्गों में सीसी रोड का निर्माण कराया गया था, लेकिन अब पाइपलाइन डालने के नाम पर उन्हीं सड़कों को तोड़ दिया गया है। करीब 15 से 20 दिन बीत जाने के बाद भी इन सड़कों की मरम्मत नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कार्य शुरू करने से पहले न तो सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए और न ही वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की गई। कई जगह खुदाई के बाद मिट्टी और मलबा सड़क किनारे छोड़ दिया गया है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद ने बताया कि नगर में 752 घरेलू नल कनेक्शन के लिए निविदा जारी की गई थी, जिसके तहत काम चल रहा है। उन्होंने माना कि कार्य में विलंब हो रहा है। साथ ही लगभग 100 से अधिक अतिरिक्त कनेक्शन भी दिए जाने हैं, जिसके लिए अलग से ठेका प्रक्रिया होगी। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार जून तक नल कनेक्शन वितरण की प्रक्रिया स्थगित रहने के कारण कार्य प्रभावित हुआ है।

नगरवासियों का कहना है कि जल आवर्धन योजना नगर के लिए महत्वपूर्ण है और इससे भविष्य में पेयजल समस्या का समाधान हो सकता है, लेकिन कार्य की धीमी रफ्तार और लापरवाही ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। लोगों ने मांग की है कि पाइपलाइन का कार्य जल्द पूरा कर टूटी सड़कों की मरम्मत कराई जाए, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके और दुर्घटनाओं की आशंका समाप्त हो।

एनएच के किनारे धधका जंगल, सूचना के बाद भी सुध लेने नहीं पहुंचा वन विभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

मैनपुर गरियाबंद नेशनल हाइवे 130 सी जोबा नर्सरी के नजदीक जंगल मे 01 किमी तक भीषण आग लगने से मार्ग मे आने जाने वाले राहगीर इस गर्मी के दिनों में तपिस से बेहद परेशान हो गए। वहीं चारो तरफ धुंआ ही धुआ दिखाई दे रहा है। जंगल मे आग लगने की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों व राहगीरों द्वारा नर्सरी और वन विभाग को देने के बावजूद आग को बुझाने कोई नहीं पहुंचा और देर रात तक जंगल मे आग धधकती रही मामला गरियाबंद वन मंडल अंतर्गत का है। मिली जानकारी के अनुसार गुरूवार दोपहर 04 बजे के आसपास जंगल मे जोबा नेशनल हाइवे के किनारे आग लगी हुई थी और यह आग

देखते ही देखते भड़क उठा तथा 01 किमी तक चारो तरफ जंगल मे भीशण आगजनी से छोटे –छोटे पौधे कीट पतंगे जलकर राख हो गये आग इतना भीशण लगा हुआ था कि इसकी तपिस नेशनल हाइवे मे चलने वाले राहगीर परेशान होते रहे और जो दिन मे आग लगी थी वह रातभर जंगल धधकता रहा अब सिर्फ वहा राख ही नजर आ रहा है।

आग से वन्यजीवों और पर्यावरण को भारी खतरा- जंगल मे लगने वाली आग से जहां छोटे बड़े पेड़ पौधे जलकर राख हो रहे है वही वन्यजीवो का जीवन भी संकट मे पड़ गया है जंगलो मे आग लगने से स्थानीय परिस्थितिक तंत्र को गहरा आघात लगता है जिसका असर वर्शो तक महसूस किया जा सकता है। महुआ संग्रहण के चक्कर मे लगातार आगजनी की घटना बढ़ी है और इस वर्श गरियाबंद वन मंडल मे आगजनी से जगह -जगह भारी नुकसान पहुंचा है। नेशनल हाइवे के किनारे जंगल दोपहर से आधी रात तक धधकता रहा जिसकी जानकारी देने के बाद भी उस क्षेत्र के जिम्मेदार वन परिक्षेत्र अधिकारी और वन विभाग के कर्मचारी आग को बुझाने नही पहुंचे जिन्हे जंगल की सुरक्षा की जिम्मेदारी मिली है उनके द्वारा निक्रियता और उदासीन रवैया समझ से परे है। पर्यावरण प्रेमियो ने गरियाबंद वन मंडलाधिकारी शशिगानंद से मांग किया है कि नेशनल हाइवे के किनारे आगजनी की घटना को रोकने मे उदासीन रवैये अपनाने वाले संबंधितो के खिलाफ कार्यवाही किया जाए। इस संबंध मे संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारी से जानकारी लेने के लिए मोबाइल से संपर्क किया गया लेकिन उनका मोबाइल बंद मिला।

बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को लेकर विधायक को ज्ञापन...

राजिम। शुक्रवार को पालिका के पदाधिकारी विधायक रोहित साहू से मुलाकात कर विभिन्न वार्डों के समग्र विकास को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें अधोसंरचना विकास, स्वच्छता, पेयजल, सड़क एवं जनहित से जुड़े मुद्दे शामिल थे।

खरोरा में माता जानकी जयंती मनाई गई

महासमुंद। ग्राम खरोरा में माता जानकी जयंती मनाई गई। संवेदना समूह खरोरा के सदस्य मुकेश चंद्राकर ने कहा कि मास के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि को सीता नवमी पड़ती है। इस दिन को माता सीता के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाया जाता है।

निषाद समाज के सामुदायिक भवन निर्माण की मांग को मिली स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाण्डुका

निषाद समाज सरकड़ा के पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधि मंडल आज राजिम विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय एवं जनसेवा के प्रति समर्पित माननीय विधायक श्री रोहित साहू से सौजन्य मुलाकात कर समाज के हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल द्वारा समाज के लिए एक सर्वसुविधायुक्त भवन निर्माण की प्रमुख मांग रखी गई। सदस्यों ने बताया कि भवन के अभाव में सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के आयोजन में निरंतर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिससे समाज के समग्र विकास पर प्रभाव पड़ रहा है। रोहित साहू ने समाज की इस महत्वपूर्ण मांग को गंभीरता से लेते हुए सकारात्मक रुख अपनाया और पूर्व में स्वीकृत भवन को निषाद समाज भवन निर्माण के लिए अनुशंसित कर स्वीकृति प्रदान की। विधायक के इस त्वरित एवं जनहितकारी निर्णय से निषाद समाज के सदस्यों में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है। यह निर्णय समाज की एकता, संगठन और उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रतिनिधि मंडल में भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री विरेंद्र कुमार साहू, अधिवक्ता संघ राजिम के अध्यक्ष श्री दशरथ निषाद, निषाद समाज ग्रामीण अध्यक्ष रामचंद्र निषाद, सचिव भूगेश निषाद, खूबलाल निषाद, नवीन साहू, शांतु निषाद, राजेश निषाद, विजय निषाद एवं ताराचंद निषाद सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। निषाद समाज सरकड़ा के पदाधिकारियों एवं समस्त समाजजनों ने माननीय विधायक महोदय का इस सराहनीय पहल एवं समाजहित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह भवन आने वाले समय में समाज के विकास, संगठन एवं सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

बाजार में कच्चे आम की आवक तेज अचारी आम की मांग में आई उछाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

गर्मी का मौसम जैसे-जैसे अपने चरम की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे बाजारों में कच्चे आम की आवक तेज हो गई है। इस बार आम की फसल सामान्यतः अच्छी बताई जा रही है, जिसके चलते मंडियों से लेकर स्थानीय बाजारों तक कच्चे आम की भरपूर उपलब्धता देखने को मिल रही है। खास बात यह है कि अचार बनाने के लिए उपयुक्त कच्चे आम की मांग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। होलसेल सब्जी विक्रेता भागवत सोनकर,मंगराज सोनकर ने बताया कि अप्रैल के मध्य से ही कच्चे आम की आमद शुरू हो गई थी, जो अब लगातार बढ़ती जा रही है। किसानों को इस बार मौसम का अपेक्षाकृत संतुलित साथ मिला, जिससे आम की गुणवत्ता बेहतर बनी हुई है। यही कारण है कि खरीदार भी अच्छे और

ताजे आम की तलाश में बाजारों का रुख कर रहे हैं। बता दें कि गर्मी के मौसम को परंपरागत रूप से अचार बनाने के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। घर-घर में अचार बनाने की परंपरा आज भी कायम है, और इसके लिए कच्चे आम की विशेष किस्मों की मांग हो रही है। महिलाएं और गृहिणियां बड़ी मात्रा में कच्चे आम खरीदकर सालभर के लिए अचार तैयार करने में जुट रही हैं। इस कारण बाजार में अचारी आम की मांग सामान्य दिनों की तुलना में कहीं अधिक बढ़ गई है। व्यापारियों का कहना है कि अचार के लिए मध्यम आकार के, सख्त और रेशारहित आम की सबसे ज्यादा मांग रहती है। इसके चलते ऐसी गुणवत्ता वाले आमों के दाम भी अन्य आमों की तुलना में कुछ अधिक देखे जा रहे हैं। हालांकि आवक बढ़ने के साथ कीमतों में कुछ स्थिरता आई है, लेकिन शुरूआती दौर में कच्चे आम के दाम अपेक्षाकृत अधिक थे। जानकारी के मुताबिक आने वाले दिनों में आवक बढ़ने के साथ कीमतों में और गिरावट की संभावना जताई जा रही है। इस बार अच्छी फसल के चलते किसानों को भी बेहतर मुनाफा मिलने की उम्मीद है। कई क्षेत्रों में आम की बंपर पैदावार होने से किसानों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही है। वहीं, मंडियों में लगातार बढ़ती मांग से उनकी आमदनी में भी इजाफा हो रहा है। अचार बनाने की परंपरा भारतीय घरों में वर्षों से चली आ रही है, जो आज भी जीवंत है।

फिंगेश्वर में गहराया जल संकट सिकासेर से पानी छोड़ने की मांग

फिंगेश्वर। इस भीषण गर्मी के दिनों में नगर पंचायत फिंगेश्वर में भारी जल संकट का सामना करना पड़ रहा है तालाबों,कुएं और बोर के माध्यम से फिंगेश्वर वासियों को निस्तार के लिए पानी देना बहुत ही मुश्किल काम हो गया है, जिस तरह का जलसंकट इस बार फिंगेश्वर में हो रहा है आने वाले दिनों में यह विकराल रूप लेता नजर आ रहा है। पेयजल संकट को लेकर नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपक श्रीवास ने आमजनता की चिंता करते हुए बताया कि शासन प्रशासन द्वारा बहुत ही महत्व कांछी योजना "अमृत जल जीवन मिशन" के तहत फिंगेश्वर में 36 करोड़ की राशि 2022–23 में स्वीकृत किया है जिसका निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होते नजर आ रहा है परंतु इस योजना में जिस प्रकार काम चल रहा है वह ठेकेदारों की उदासीनता एवं शासन प्रशासन द्वारा

पानी उपलब्ध न कराकर इस योजना को अधूरा रखा गया है। वहीं पर नहरो से तालाबो को पानी देने पर जलस्रोत बढ़ जाता था लेकिन अमृत मीशन योजना के तहत हुए कार्य से पुराने पाइप लाइन खराब हो चुके है पूर्व की तरह उस पाइप लाइन से पानी नहीं मिल रहा है। एक मात्र सिकासेर का पानी जिसे सरगीनाले मे देने पर ही फिंगेश्वर में पेयजल की आपूर्ति होगी। सिकासेर का पानी शीघ्र ही सरगी नाले में छोड़ा जाए। टंकी तो नये बन गए हैं लेकिन उन टंकियों को भरने पानी की कमी है।

Satya TRUCKING PVT. LTD.
आवश्यकता है
बिजनेस एक्जीक्यूटीव
योग्यता - ग्रेजुएशन,
स्थान- रायपुर (1 पद), नारायणपुर (1 पद), डोंगरगढ़ (1 पद), दल्ली राजहरा (1पद)
वेतन - 15,000 + इंसेंटिव
रिटेल फायनेंस मैनेजर
योग्यता - ग्रेजुएशन, स्थान- रायपुर (1 पद)
वेतन - 15,000 + इंसेंटिव
कस्टमर केयर मैनेजर
योग्यता - ग्रेजुएशन, स्थान- रायपुर (1 पद)
वेतन - 15,000 + इंसेंटिव
इलेक्ट्रीशियन+मैकेनिक
योग्यता - आईटीआई/डिप्लोमा
स्थान : रायपुर - 15 पद, राजनांदगांव-4 पद
वेतन - 15,000 + इंसेंटिव
फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं।
अपना अपडेटेड रेज्यूम भेजें
noman.sinha@teamsatya.in
या कॉल करें
7748900111, 9098750248
जी.ई. रोड, टाटीबंध, रायपुर (छ.ग.)

:: आम सूचना ::
मै अपने पक्षकार केवल राम पिता टेटकू राम सिन्हा, जाति-कलार के स्वामित्व एवं कब्जे की कृषि भूमि ख.नं. 832/9 रकबा 0.0700 हे. भूमि स्थित ग्राम-गरियाबंद में राजस्व अभिलेख में दर्ज है। जिसमें मेरे पक्षकार का स्वामित्व एवं कब्जा है। मेरा पक्षकार उक्त भूमि को विक्रय करना चाहता है।
अतः आम जनता को इस आम सूचना के द्वारा यह सूचित किया जाता है कोई भी व्यक्ति उक्त भूमि के संबंध में कोई दावा, हक, स्वामित्व रखता हो तो दिनांक 30.04.2026 तक समस्त वैधानिक दस्तावेज के साथ मुझसे मेरे कार्यालय समय में संपर्क कर सकते है अन्यथा बाद में की गई दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा तथा बाद में किया गया आपत्ति एवं दावा अवैध एवं शून्य माना जावेगा। अंतिम सूचना जाने।
लोकनाथ साहू (अधिवक्ता)
तहसील कार्यालय रोड, गरियाबंद
जिला - गरियाबंद (छ.ग.)
मो. नं. 8435213690

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बावासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

शिक्षक चंदूराम नेशनल अवार्ड के लिए चयनित

रसेला। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय दुल्ला के शिक्षक चंदुराम बघेल को नेशनल अवार्ड के लिए चयन किया गया है। शिक्षा रत्न समता नेशनल अवार्ड शिक्षक

चंदूराम बघेल को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के साथ शिक्षा संबंधी कविता के रचना करने के लिए यह अवार्ड दिया जाएगा। यह अवार्ड समता साहित्य एकेडमी भारत के डा डीएस ताण्डेकर के द्वारा 10 मई 2026 को सुल्तान बाजार हैदराबाद में प्रदत्त किया जाएगा। इस अवार्ड का मिलने का श्रेय शिक्षक चंदूराम बघेल ने अपने मार्ग दर्शक शिक्षक लक्षवीर बांधे और दुर्गेश बंजारे को दिया गया, जिसके विशेष योगदान से यह अवार्ड पाने का मौका मिला है। चदुराम बघेल ने कहा कि मेरा नाम नेशनल अवार्ड के लिए चयन होना मेरे लिए गर्व की बात है,जो कि छत्तीसगढ़ राज्य से मेरा नाम चयन हुआ है। समता साहित्य एकेडमी छत्तीसगढ़ के तथा समता साहित्य एकेडमी भारत के समस्त सदस्यगणो और पदाधिकारियों को धन्यवाद देता हूं।

नोमेश्वरी को पीएचडी की उपाधि

राजिम। यश विहार कॉलोनी के नोमेश्वरी साहू को मैट्स यूनिवर्सिटी

ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उनके शोध का विषय गीताश्री के कथा साहित्य में नारी पात्रों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन रहा। उन्होंने अपना शोध कार्य डॉ. सुनीता शशिकांत के मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

हायर सेकंडरी स्कूल झलप और रायतुम के लिए दस-दस लाख स्वीकृत

झलप। संचालक लोक शिक्षण विभाग द्वारा शासकीय शालाओं में प्रार्थना शेड निर्माण, मरम्मत के लिए महासमुंद जिले में चार करोड़ तीन लाख आठ हजार रुपए की स्वीकृति कलेक्टर को प्राप्त हुई। इस स्वीकृति के लिए विधायक प्रतिनिधि शम्मी सलूजा ने कहा कि विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा के अथक प्रयास से हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रार्थना शेड निर्माण की स्वीकृति मिली है, इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, वित्त मंत्री ओपी चौधरी एवं विधायक राजू सिन्हा का शम्मी सलूजा, निर्भय नायक, कुलजीत सलूजा, देवा नायक, कमल कौशिक, राकेश साहू सरपंच झलप एवं रमन ठाकुर सरपंच रायतुम ने आभार जताया है।

अपील : कूड़े के ढेर में भोजन तलाशने को मजबूर गौवंश, नागरिकों से मदद की अपील

भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से बेहाल गौवंश, सड़कों पर भटकने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

गर्मी अपने चरम पर है। तेज धूप और लू के थपेड़ों ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। इंसान ही नहीं, बेजुबान पशु भी इस विकराल गर्मी से जूझ रहे हैं। खासकर गौमाता की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। चारा और पानी की कमी के कारण बड़ी संख्या में गायें सड़कों पर भटकती नजर आ रही हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जगह-जगह गौवंश पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते दिखाई देते हैं। कई स्थानों पर वे कूड़े-कचरे में भोजन ढूंढने को मजबूर हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। पानी के स्रोत सूखने और हरियाली कम होने के कारण स्थिति दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केवल प्रशासन या गोपालकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के हर व्यक्ति को इसमें अपनी भागीदारी निभानी होगी। गौमाता भारतीय संस्कृति और आस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए उनकी सेवा और संरक्षण हम सभी का कर्तव्य बनता है। क्षेत्र के ग्रामीणो एवं समाजसेवियों ने अपील की है कि घरों और मोहल्लों के बाहर पानी से भरे बर्तन रखें सूखा चारा या हरा चारा उपलब्ध कराएं गौशालाओं को सहयोग दें। बीमार या कमजोर गौवंश की सूचना संबंधित विभाग को दें। वहीं, गोपालकों से भी आग्रह किया जा रहा है कि वे अपनी जिम्मेदारी समझें और गौमाता को खुले में भटकने के लिए न छोड़ें। उनके लिए पर्याप्त चारा-पानी और छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करें। कुछ स्थानों पर जागरूक नागरिकों ने पहल करते हुए जल पात्र अभियान और गौ सेवा अभियान शुरू किए हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। यदि इस प्रकार के प्रयास व्यापक स्तर पर किए जाएं, तो निश्चित ही गौवंश को इस भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। गर्मी का यह कठिन समय गौमाता के लिए जीवन-मरण का सवाल बनता जा रहा है। ऐसे में आवश्यकता है सामूहिक जागरूकता और सक्रिय भागीदारी की। यदि समाज का हर व्यक्ति थोड़ी-सी जिम्मेदारी निभाए, तो गौमाता को इस संकट से बचाया जा सकता है। एक बर्तन पानी और थोड़ी-सी छाया, किसी बेजुबान की जिंदगी बचा सकती है।

भीषण गर्मी में गोमाता के संरक्षण के लिए आगे आएं

भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच सड़कों पर भटकती गोमाता की स्थिति चिंताजनक देखकर गंभीर स्थिति को भांपते हुए क्षेत्र की प्रमुख मातृशक्तियों ने आम नागरिकों से संवेदनशीलता दिखाने की अपील की है। नवापारा नगरपालिका की अध्यक्ष ओमकुमारी संजय साहू, नगरपालिका में नेता प्रतिपक्ष संध्या राव एवं राजिम नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष रेखा सोनकर ने संयुक्त रूप से लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि यह समय केवल चिंतन का नहीं बल्कि सक्रिय सहयोग का है। उन्होंने कहा कि गोमाता हमारी आस्था और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, ऐसे में उनका संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। मातृशक्तियों ने अपील करते हुए कहा कि नागरिक अपने घरों और मोहल्लों के आसपास पानी की व्यवस्था करें। गौवंश के लिए हरी घास या सूखा चारा उपलब्ध कराने में सहयोग दें। सड़कों और खुले स्थानों पर छाया (शेड) की व्यवस्था करने का प्रयास करें। स्थानीय गोपालकों और प्रशासन के साथ मिलकर सुरक्षित आश्रय स्थल तैयार करने में योगदान दें। इन मातृशक्तियो ने यह भी कहा कि छोटी-छोटी पहल भी बड़ी राहत दे सकती है। यदि हर नागरिक थोड़ा-थोड़ा सहयोग करे, तो इस भीषण गर्मी में गोमाता को भटकने से बचाया जा सकता है।

गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने 27 अप्रैल को सौपेंगे ज्ञापन

छुरा। गौ सेवियों द्वारा गौ सम्मान आवाहन अभियान ने इस समय एक वृहद रूप ले लिया है। इस अभियान के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकारों के समक्ष न सिर्फ गौ माता को संवैधानिक सम्मान देने बल्कि गोबर और गोमूत्र पर आधारित को अर्थव्यवस्था को लागू करने का एक व्यापक रूप प्रेस किया गया है। अभियान के मुख्य मांग गौ माता को

राष्ट्र माता राष्ट्र आराध्या अथवा राष्ट्र धरोहर घोषित करना है साथ ही पूरे भारत देश मैं गौ सेवा के लिए हत्या ना हो सके। अभियान के अंतर्गत सरकार से अनेक महत्वपूर्ण आर्थिक कृषि संबंधी आग्रह किए गए हैं कृषि विश्वविद्यालय में गोबर और गोमूत्र पर शोध के लिए अनुसंधान केंद्र बने सरकारी भवनों में गोबर पेन और अस्पतालों में फिनायल की जगह को नाइन का उपयोग अनिवार्य हो। समाजसेवी शीतल ध्रुव, हेमंत साहू, खंड कार्यवाहक पोषण सिंहा, उपाध्यक्ष विहिप मेशनंदन, पांडेय मनीष शारदा, एकलव्य शर्मा, युवराज सिंहा, वेद निर्मलकर, हेमंत सिंहा, गणेश आजाद, कृष्णा पटेल, रूपनाथ बंजारे, संतोष सॉरी, निखिल साहू, मानसिंह निषाद, भोला पांडेय, 27 अप्रैल को 27 अप्रैल को सूरत तहसील के गांव प्रेमी बड़ी संख्या में मानस मंदिर में प्रातः10:00 बजे एकत्रित होकर भजन कीर्तन करते हुए प्रातः 11:00 बजे एसडीएम कार्यालय में एसडीएम के माध्यम से राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम मांग को लेकर ज्ञापन सौंपेंगे।

पक्षियों के लिए दाना पानी का इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

शहर के पृथ्वीम वेलफेयर सोसाइटी द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए दाने एवं पानी का इंतजाम करने का बीड़ा उठाया है। समिति द्वारा नवापारा नगर के सौ से अधिक घरों में मिट्टी का पात्र एवं दाना देकर उन्हें अपने घरों के छत में रखने का आग्रह किया है। समिति के सदस्यों ने खुद से होकर पेड़ों पर रस्सी के सहारे दाना पानी का पात्र लटकाया है। जिससे भीषण गर्मी में पक्षियों को पानी के लिए यहां-वहां न भटकना पड़े। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में तापमान में भारी वृद्धि हुई है। संस्था के अध्यक्ष योगिता सिन्हा ने कहा कि भीषण गर्मी से सबका बुरा हाल है। ऐसे में कई बेजुबान पक्षियों के दाने पानी के अभाव में जान जा रही है। समिति द्वारा पक्षियों के लिए पेड़ की डालियों, घर के छत एवं अन्य खुले स्थानों में पर मिट्टी के पात्र में पानी एवं दाना का इंतजाम किया जा रहा है। नवापारा शहर सहित आसपास के गांव में जाकर लोगों को पर्यावरण

संरक्षण का सन्देश दिया जा रहा है। अपील की जा रही है कि भीषण गर्मी में मानवता का परिचय देते हुए अपने घर के छत में पानी से भरा पात्र एवं दाना अवश्य रखे। जिससे बेजुबान पक्षियों को भोजन पानी के यहां-वहां भटकना न पड़े। पक्षी हमारे पर्यावरण का महत्वपूर्ण अंग है। जिसकी रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है।

गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा पर हो काम : रोहित साहू

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

पखवाड़े भर के चुनावी दौरे एवं धार्मिक यात्रा से लौटे विधायक रोहित साहू ने दूसरे ही दिन शुक्रवार को राजिम रेस्ट हाऊस में छह विभागो के अफसरो के साथ मैराथन बैठक किया। इस बैठक में विधानसभा क्षेत्र में प्रगतिरत विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर चर्चा हुई। विधायक श्री साहू ने स्पष्ट रूप से कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक के दौरान विधायक ने राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, वन विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और पीएम जनमन में संलग्न विभाग के अधिकारियों के साथ एक-एक कर चर्चा किया। उन्होंने वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति और आगामी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। विधायक श्री साहू ने लोक निर्माण विभाग और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में हो रहे सड़क, भवन और अन्य निर्माण कार्यों में उच्च मानक की सामग्री का उपयोग किया जाए। कहा कि सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है।जनता का पैसा विकास में लग रहा है, इसलिए कार्य में पूर्ण गुणवत्ता होना चाहिए। विधायक ने सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा

राजिम रेस्ट हाऊस में विधायक ने ली मैराथन बैठक

के भीतर पूरा करने की बात कही।

योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं- विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए संचालित पीएम जनमन योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की प्रशासनिक देरी नहीं होनी चाहिए। विद्युत विभाग को गर्मी के मौसम और खेती के मद्देनजर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा वन विभाग को विभागीय योजनाओं के तहत पौधारोपण और फेंसिंग जैसे कार्यों में तेजी लाने को कहा। राजस्व विभाग के अधिकारियों को सीमांकन, नामांतरण और बटांकन जैसे जनहित के मामलों को संवेदनशीलता के साथ निपटाने के निर्देश दिए ताकि आम जनता को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। विधायक रोहित साहू ने कहा कि हमारा लक्ष्य राजिम विधानसभा को आदर्श क्षेत्र बनाना है। अधिकारी केवल दफ्तरों तक सीमित न रहें अपितु क्षेत्र में जाकर कार्यों का निरीक्षण करें। योजनाओं के क्रियान्वयन में समयसीमा और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। बैठक के अंत में विधायक ने सभी विभागीय अधिकारियों को समन्वित तरीके से काम करने की सलाह दी। कहा कि समय-समय पर वे कार्यों का औचक निरीक्षण करेंगे। बैठक में मौजूद अधिकारियों ने विधायक को आश्वस्त किया कि दिए गए निर्देशो का पालन किया जाएगा और चल रहे परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा कर जनता को समर्पित किया जाएगा। बैठक में राजिम नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव,राजिम एसडीएम विशाल महाराणा, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री रामेश्वर सिंह, एसडीओ मनीष साहू, पीएमजीएसवाई के कार्यपालन यंत्री अभिषेक पाटकर,वन विभाग के एसडीओ विकास चंद्राकर, आरईएस के ईई प्रकाश दावरे, एसडीओ नवीन चंद्राकर, विद्युत विभाग के सहायक यंत्री धर्मेंद्र साहू, शिवेंद्र साहू सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

जागरूक युवाओं ने संभाली कमान, मूल निवासी अधिकार मंच का गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

आदिवासी विकासखंड मैनपुर में क्षेत्र के जागरूक युवा मिलकर मूल निवासी अधिकार मंच का गठन किया गया है। मंच के माध्यम से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए सीधा पात्रधारियों को लाभ मिले और गांव के समस्याओं का चिन्हांकन करते हुए शासन प्रशासन तक सेतु के रुप मे कार्य कर समाधान के दिशा मे निरंतर कार्य करेगी। जिससे गांव गरीब

किसान मजदूरो को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। मूल निवासी अधिकार मंच के सफल संचालन के लिए पदाधिकारियो का गठन किया गया है। जिसमें सर्वसम्मति से संरक्षक पुरुषोत्तम साय एवं दुर्जन मरकाम, अध्यक्ष बलिराम ठाकुर, उपाध्यक्ष सुनील कुमार मरकाम, महासचिव पूरन मेश्राम, कोषाध्यक्ष जिलेद्र नेगी, सचिव महेंद्र फरस, सोशल मीडिया प्रभारी इमरान खान, रोहित नायक एवं कार्यकारिणी सदस्य फरसू राम नेताम, धनसाय सोरी सहित अन्य को मनोनीत किया गया है। मूल निवासी अधिकार मंच के नवनियुक्त अध्यक्ष बलिराम ठाकुर एवं उपाध्यक्ष सुनील कुमार मरकाम ने संयुक्त कहा कि हमारा मंच विशुद्ध रूप से गैर राजनीति एवं सबके साथ सबके विकास का मूलभावना पर जोर देते हुए कार्य करेगी।

खाद वितरण के लिए फार्मर आईडी पर सियासी घमासान

राजिम। छत्तीसगढ़ में किसानों को उर्वरक वितरण के लिए शुरू की गई फॉर्मर आईडी की अनिवार्यता पर राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस के पूर्व विधायक अमितेश शुक्ल द्वारा इस व्यवस्था पर उठाए गए सवालों को भारतीय जनता पार्टी ने नवाचार विरोधी और बिचौलियों का हितैषी करार दिया है।

भाजपा ने दो टूक शब्दों में कहा है कि तकनीकी सुधारों से कांग्रेस को हमेशा से डर लगता रहा है क्योंकि इससे भ्रष्टाचार के रास्ते बंद हो जाते हैं। भाजपा जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू ने अमितेश शुक्ल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में खाद की कालाबाजारी और रसूखदारों द्वारा खाद हड़पने की परंपरा थी। भाजपा नेता ने कहा कि अमितेश शुक्ल जी शायद भूल गए हैं कि मोर जमीन मोर खाद पोर्टल किसानों के हक की रक्षा के लिए है। फॉर्मर आईडी से खाद सीधे असली किसान तक पहुँचेगी। मोर जमीन मोर खाद' पोर्टल किसानों के लिए वरदान साबित होगी। राज्य सरकार ने उर्वरक वितरण प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के लिए इस पोर्टल को लॉन्च किया है। इस पोर्टल से ऋणी किसान अब आसानी से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति के माध्यम से अपना पंजीयन करा सकेंगे। किसानों की सुविधा को देखते हुए अब चॉइस सेंटर को भी पोर्टल पर पंजीयन की अनुमति दी गई है जिससे किसानों को लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी।

कम जमीन में बड़ा मुनाफा, सब्जी की खेती से किसान ने बनाई नई पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

हिराबत्तर के एक साधारण किसान उधोराम चन्द्राकार ने अपनी मेहनत और नवाचार के दम पर खेती को नया आयाम दे दिया है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने न सिर्फ अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी नई राह खोल दी है। स्वयं की दो एकड़ जमीन होने के बावजूद उधोराम चन्द्राकार ने हार नहीं मानी। उन्होंने हिराबत्तर में दो एकड़ जमीन पर सब्जियों को तैयार करने का काम शुरू किया। धीरे धीरे उनकी मेहनत रंग लाई और आज उनकी सब्जी बाड़ी ने क्षेत्र में पहचान बना चुकी है। उधोराम चन्द्राकार की खासियत यह है कि वे पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं है। वे मौसम के अनुसार विभिन्न प्रकार की सब्जियों जैसे फूलगोभी, बंदगोभी, टमाटर, बैंगन, मिर्च, खिरा और अभी फूलगोभी लगाया है जो एक सप्ताह के अंदर बाजार में बिकना शुरू हो जाएगा। उनकी सब्जियां की मांग इतनी अधिक है कि आसपास ही नहीं दूर दराज के व्यापारी खरीदने उनके खेत तक पहुंचते हैं। सिर्फ सब्जियां बेचना ही उनका उद्देश्य नहीं है। वे किसानों को यह भी बताते हैं कि बेहतर उत्पादन के लिए सब्जियां कैसे तैयार की जाएं। पौधों की देखभाल कैसे की जाएं और कम लागत में अधिक मुनाफा कैसे कमाया जा सकता है। यही वजह है कि उनका खेत अब सीखने की जगह बन गया है। जहां हर दिन किसानों की आवाजाही बनी रहती है।

सीखने का केंद्र बना उधोराम का खेत

उधोराम चन्द्राकार की दिनचर्या भी प्रेरणादायक है। सुबह की पहली किरण के साथ वे खेतों में पहुंच जाते हैं और पूरे दिन मेहनत में जुटे रहते हैं। परिवार के सदस्य भी उनके इस काम में बराबरी से सहयोग करते हैं।

उनकी इस मेहनत का नतीजा है कि वे हर साल लाखों रुपए की आमदनी कर रहे हैं। उद्यानिकी विभाग छुरा के अधिकारी सुनील साहू ने बताया कि स्थानीय किसान उधोराम चन्द्राकार के प्रयासों की सराहना करते हुए, कहा कि अगर अन्य किसान भी इसी तरह नई तकनीकों को अपनाएं, तो खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। आज उधोराम चन्द्राकार ने सिर्फ एक सफल किसान है।